



## पलक की सहेली सरिता-2

“और यह बोलते हुए वो अपने दोनों पैर मेरे पैरों के दोनों किनारे रख कर मुझ पर बैठ गई और मेरे होठों को चूमना शुरू कर दिया। मैं भी उसके रेशमी बालों को सहलाते हुए उसे चूमने लगा और हम दोनों की प्रेमक्रीड़ा शुरू हो गई। मैंने उसके कपड़े उतारने की कोशिश की तो बोली- [...] ...”

Story By: (sandeep13)

Posted: Friday, January 15th, 2010

Categories: [कोई मिल गया](#)

Online version: [पलक की सहेली सरिता-2](#)

## पलक की सहेली सरिता-2

और यह बोलते हुए वो अपने दोनों पैर मेरे पैरों के दोनों किनारे रख कर मुझ पर बैठ गई और मेरे होठों को चूमना शुरू कर दिया। मैं भी उसके रेशमी बालों को सहलाते हुए उसे चूमने लगा और हम दोनों की प्रेमक्रीड़ा शुरू हो गई।

मैंने उसके कपड़े उतारने की कोशिश की तो बोली- यहाँ नहीं, कमरे में चलते हैं।

मुझे क्या आपत्ति हो सकती थी, हम दोनों उठे और कमरे में आ गए।

मैं कमरे में पहले आ गया और पलंग पर बैठ गया। सरिता ने आते हुए ही अपनी टीशर्ट उतार दी थी, जब वो कमरे में आई तो जींस और सफ़ेद ब्रा में थी।

उस वक्त वो ऐसे लग रही थी मानो काले संगमरमर से खजुराहो की मूर्ति तराश दी गई हो।

मैंने उसे देखा और उसे बाहों में पकड़ने के लिए आगे बढ़ा तो उसने मुझे रोक दिया और जींस भी उतार दी, अब वो मेरे सामने सफ़ेद ब्रा और पैंटी में खड़ी काले संगमरमर से बनी हुई सजीव मूर्ति की तरह लग रही थी।

मैं कुछ कहता, उससे पहले ही वो मेरे पास आई और पलंग के नीचे बैठ गई, उसने बड़े प्यार से मेरी जींस का बटन खोला, जिप खोली और मेरी जींस उतारने लगी।

मैंने भी उसका साथ दिया और अपनी तशरीफ़ उठा कर जींस निकालने की जगह दे दी।

उसने मेरी जींस निकाल दी और फिर मेरे अंडरवियर को भी उसी तरह से उतार दिया।

उसके बाद मेरे साढ़े पाँच इंच के लण्ड को उसने हाथ में पकड़ा और मेरी मुठ मारने लगी, मैं भी उसके इस काम के मजे लेने लगा और उसके थोड़ी देर बाद सरिता ने मेरे लण्ड को अपने मुँह में लिया और चूसने लगी।

वो मेरे लण्ड को करीब दस मिनट तक ऐसे ही चूसती रही और मैं उसके बाल सहलाता रहा। इस बीच मैंने मेरी टीशर्ट भी उतार दी थी और सरिता की ब्रा के हुक भी खोल दिए, करीब दस मिनट के बाद सरिता लण्ड को छोड़ कर बोली- क्या तेरा होगा नहीं क्या? इतनी देर में तो लड़के ऐसे चूसने पर खत्म हो जाते हैं?

मैंने कहा- यार, अभी अभी तो हुआ है, इतनी देर में कैसे सब खत्म हो जायेगा, मेरा पहली बार में इतनी जल्दी नहीं होता, यह तो तू दूसरी बार कर कर रही है, अभी तो लगी रह आधे घंटे, तब जा कर कुछ होगा।

वो बोली- ऐसे चैलेंज दे रहा है मुझे?

मैंने कहा- चाहे जो समझ ले यार! लेकिन अभी हाल तो हुआ है इतनी जल्दी कैसे हो जायेगा?

वो बोली- ऐसा है तो देख कैसे होता है!

और यह कह कर उसने मेरे लण्ड के सुपारे की चमड़ी को पूरा पलट दिया और सुपारे पर अपनी जीभ चलाने लगी, मुझे बड़ा मजा आने लगा, मैं जन्नत की सैर कर रहा था तब।

एक तरफ वो मेरे सुपारे को कभी उसकी जीभ से चाट रही थी तो कभी होंठों से सुपारे को चूसे जा रही थी और हाथ से भी मुठ मारे जा रही थी।

मैं उसके बाल सहला रहा था।

उसने यह दो तीन मिनट ही किया होगा कि मुझे लगने लगा कि मैं छूट जाऊँगा। मेरी इस तड़प को सरिता भी महसूस कर रही थी, उसने मुँह से लण्ड बाहर निकाला और बोली- क्यों जनाब ? आधे घंटे के चैलेंज का क्या हुआ ?

मैं अपनी हेकड़ी कहाँ छोड़ने वाला था, मैंने कहा- अभी तो शुरूआत है, आधे घंटे में तो बहुत वक्त बाकी है अभी !

मेरी बात सुन कर सरिता ने और जोर जोर से मेरे लण्ड को चूसना शुरू कर दिया और मुठ भी मारने लगी..

मैं झड़ने की कगार पर ही था मैंने उसके सर को दबा कर मेरा पूरा लण्ड उसके मुँह में घुसा दिया और उसने भी ना नहीं की और उसी अवस्था में मेरे लण्ड को चूसने लगी। उसने थोड़ी ही देर किया होगा कि मैंने उसके मुँह में वीर्य छोड़ना शुरू कर दिया। सरिता ने भी उस सारे वीर्य को बिना बर्बाद किए पूरा गटक लिया।

जब वो पूरी तरह से मुझे चूस चुकी तो बोली- क्या हुआ जनाब ? आपका आधा घंटा पूरा होने में तो आधा वक्त ही लगा ?

मैंने कहा- हाँ वो तो है ! तू सच में बहुत अच्छा चूसती है यार ! मैं रुक ही नहीं पाया !

वो बोली- ठीक है, तू थोड़ा रुक जा, मैं कुल्ला करके आती हूँ ! फिर अब मेरी बारी है देखें तू क्या करता है ?

सरिता कुल्ला करने चली गई और मैं वहीं बिस्तर पर लेट गया।

जब वो वापस आई तो मैं बिस्तर पर लेटा हुआ था, मेरी आँख लग गई थी। वो आकर मेरे बगल में लेट गई और बड़े प्यार से मेरे लण्ड को सहलाने लगी, उस वक्त मेरा लण्ड पूरी

तरह से मुरझाया हुआ था लेकिन जैसे ही सरिता का हाथ लगा वो वापस अपने आकार में आने लगा और थोड़ी देर में मेरी थकान भी खत्म हो गई।

जब मेरी थकान खत्म हो गई तो मैंने ध्यान दिया कि सरिता ने अपनी पैंटी भी उतार दी थी।

मैंने सरिता को बड़े प्यार से बाँहों में लिया और मैं उसके ऊपर आकर उसे चूमने लगा, सरिता भी मेरा साथ देने लगी, फिर मुझ से बोली- संदीप मुझे नीचे चूमो ना!

मन तो मेरा भी था ही! मैंने उसके होठों को एक बार चूमा और बिना किसी देर के मैं नीचे उसकी चूत पर पहुँच कर उसकी गीली चूत को चाटने-चूमने लगा, साथ ही साथ उसके दोनों स्तन भी दबाता जा रहा था।

मैंने थोड़ी देर ही उसकी चूत का रस पिया होगा कि वो तड़प कर बोलने लगी- संदीप अब मत रुक! प्लीज अब अंदर डाल दे ना! बहुत मन कर रहा है।

मैंने कहा- ठीक है!

मैंने अपनी जींस से बटुआ निकाला, उसमें से कंडोम लिया और उसे चढ़ा कर एक ही झटके में मेरा पूरा लण्ड सरिता की चूत में डाल दिया, हालांकि वो पहले ही कई बार सब कर चुकी थी पर फिर भी उस झटके से उसके मुँह से भी एक आह निकल ही गई थी।

मुझ से बोली- धीरे प्लीज!

मैंने कहा- ओ के सॉरी!

और उसे धीरे-धीरे चोदना शुरू कर दिया।

उसके बाद मैंने सरिता को जोर धक्के लगाना शुरू किए, साथ ही साथ मैं उसके स्तनों को

चूसता भी जा रहा था, मसलता भी जा रहा था।

मेरे हर धक्के के साथ सरिता के मुँह से एक आह निकल रही थी और चरम सीमा के पास पहुँच रही थी।

मैंने थोड़ी देर ही धक्के लगाए होंगे कि सरिता एक हल्की चीख के साथ झड़ने लगी और उसने मुझे कस कर पकड़ लिया। मैं भी उसके झड़ने के बाद थोड़ी देर के लिए रुक गया, उसने मुझे अपने ऊपर ही लिटा कर रखा।

थोड़ी देर बाद सरिता बोली- तू थक गया क्या ?

उसकी बात सुन कर मैंने फिर से धक्के लगाने शुरू कर दिये, शुरुआत में तो उसे तकलीफ हुई पर थोड़ी देर बाद फिर उसे मजा आने लगा। उसके बाद मैंने सरिता को सामने से लेकर अपनी जांघों पर बैठाया, उसने मेरी कमर को लपेटा और हम दोनों ने एक दूसरे को धक्के मारना शुरू कर दिए और मैंने उसके दूध पीने शुरू कर दिए।

मैंने जैसे ही दूध पीने शुरू किए, सरिता फिर से झड़ने लगी। यह बात मुझे अजीब लगी लेकिन मैंने उसे तब झड़ने दिया और वो मुझसे चिपक कर झड़ती रही।

जब वो झड़ गई तो मैंने पूछा- तू इतनी जल्दी कैसे झड़ जाती है यार ?

तो बोली- मैं जल्दी झड़ जाती हूँ! लेकिन आज कुछ ज्यादा ही जल्दी हो रही हूँ, पर जल्दी तैयार भी हो जाती हूँ!

और वो बस दो तीन मिनट में फिर से तैयार भी हो गई।

इस बार मैंने उसे बिस्तर पर एक करवट लिटा कर चोदना शुरू किया, इस मुद्रा में मेरा लण्ड सरिता के बहुत अंदर तक जा रहा था और हर बार अंदर जाने पर सरिता ऐसे चीख रही थी

मानो उसे बहुत दर्द हो रहा हो जबकि मैं जानता था वो इस सबका मजा ले रही है।

थोड़ी देर इस मुद्रा में चोदा, फिर वो बोली- मुझे ऊपर आना है!

मैं लेट गया, अब वो मेरे ऊपर चढ़ कर धक्के मार रही थी और मैं उसके बड़े बड़े प्यारे से स्तनों को दबा रहा था।

यह कार्यक्रम भी कुछ ही मिनट चला था कि उसने मेरे होठों को अपने होठों में लिया और वो एक बार फिर परमानन्द की तरफ बढ़ने लगी और अब मेरा भी मन अब चरमसुख प्राप्ति को कर रहा था।

जब सरिता पूरी तरह से झड़ गई तो मैंने सरिता को नीचे किया और थोड़ी देर तक उसके पास ही लेटा रहा और धीरे धीरे उसे चोदता रहा।

जब मुझे लगा कि सरिता की हालत अब चुदने लायक हो गई है तो मैंने भी तेज धक्के लगाने शुरू किए और इस बार भी सरिता मेरा पूरा साथ दे रही थी, उसके हाथ कभी मेरे बालों में चल रहे थे, कभी मेरी पीठ पर जो मुझे बड़ा अच्छा लग रहा था।

साथ ही साथ सरिता के मुँह से आह उह... उफ़ सी सी की आवाजें निकलती ही जा रही थी और मैं इन आवाजों से और उत्साहित होकर उसे चोदे जा रहा था।

अचानक मुझे लगा कि मैं झड़ने वाला हूँ, मैंने सरिता को बाहों में लपेट कर धक्के और तेज कर दिए। तभी सरिता का बदन भी अकड़ने लगा और इस बार हम दोनों ही लगभग चीखते हुए एक साथ झड़ गए।

इसके बाद हम सो गए, रात में उठे तो मैंने उसे दोबारा चोदा और उसकी गाण्ड भी मारी।

गाण्ड मारने के लिए मुझे कोई खास प्रयत्न नहीं करना पड़ा।

मैंने एक बार कहा और वो अश्व-मुद्रा में मेरे सामने आ गई ।

तो उस कहानी को लिखने का कोई मतलब नहीं है ।

अपनी राय मुझे भेजें ।

[indore.sandeep13@gmail.com](mailto:indore.sandeep13@gmail.com)



## Other stories you may be interested in

### अमीर औरत की जिस्म की आग

दोस्तो! मेरा नाम विशाल चौधरी है और मैं उ. प्र. राज्य के सम्भल जिले का रहने वाला हूँ। यह बात तब की है जब मैं अपनी पढ़ाई पूरी करके अपने घर पर रह रहा था और घर वालों का मेरे [...]

[Full Story >>>](#)

### चालू शालू की मस्ती-1

हाय दोस्तो... आपकी शालिनी भाभी एक बार फिर से आप सबके लंड खड़े करने आ गई है अपनी एक नई कहानी लेकर! भूले तो नहीं ना मुझे? मैं लेडी राउडी राटौड़, आपकी शालिनी भाभी, आया कुछ याद? तो लगी शर्त [...]

[Full Story >>>](#)

### पाठिका संग मिलन-4

“ये तो स्ट्रॉंग होगा?” “ज्यादा नहीं। ट्राय करके देखिए न!” कुछ देर हिचकती रही फिर ग्लास उठा लिया। “चीयर्स, फॉर पूना!” “चीयर्स!” इस बार उसकी हँसी खुली हुई थी। मैं थोड़ा उसकी ओर सरक गया। उसकी साड़ी मेरी बाँहों से [...]

[Full Story >>>](#)

### शादीशुदा सेक्सी आंटी की प्यासी चूत

मेरा नाम मयंक है, मैं बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में रहता हूँ। बात तब की है जब मैं बिलासपुर में कोचिंग क्लास कर रहा था। मेरी सोशल नेटवर्किंग साइट के अकाउंट पर एक कोरबा की आंटी थी जिनसे मैं कभी-कभी बात करता [...]

[Full Story >>>](#)

### दिल्ली से लखनऊ के सफ़र में मिली छोकरी

दोस्तो, मेरा नाम रोहन है, मैं लखनऊ से हूँ और दिल्ली में रहता हूँ। दिल्ली में अपनी पढ़ाई कर रहा हूँ। और मैं एक जिंगोलो हूँ ये काम मैं 1 साल से कर रहा हूँ। मैंने आज तक 100+ लड़कियां [...]

[Full Story >>>](#)

